नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विश्वविद्यालय में आठ दिवसीय व्यक्तित्व विकास शिविर प्रारंभ

विद्यार्थी अपनी क्षमताओं का उपयोग करें - कुलपति प्रो.गिरीश्वर मिश्र

वर्धा दि. 7 अक्तूबर 2015: विद्यार्थी अपनी क्षमताओं को पहचान कर जीवन में सफल होने के लिए उनका उपयोग करें। आने वाली चुनौतियां और कठिनाईयों को अवसर में बदलकर सार्थक प्रयास करने की दिशा में आगे बढें। उक्त संदेश कुलपति प्रो. गिरीश्वर मिश्र ने दिया। वे आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ की ओर से व्यक्तित्व विकास शिविर के उदघाटन कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बोल रहे थे। इस अवसर पर मंच पर प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र, महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकरण संस्थान, एमगिरी के निदेशक डॉ. प्रफुल्ल काले, आईक्यूएसी की समन्वयक डॉ. शोभा पालीवाल मंचासीन थे।

गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, आईक्यूएसी की ओर से 7 से 14 अक्तूबर के बीच व्यक्तित्व विकास शिविर का आयोजन किया गया, जिसका उदघाटन हबीब तनवीर सभागार में बुधवार को किया गया।

प्रो. मिश्र ने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि प्रतिस्पर्धा के वातावरण में अपने को स्थापित करना बड़ी भारी चुनौति है। अपनी क्षमताओं को पहचानकर उसका जीवन में किस प्रकार से उपयोग करें यह महत्वपूर्ण सवाल है। कौशल विकास और मेक इन इंडिया जैसी योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों में अकादमिक ज्ञान के अलावा भी अनेक प्रकार के उपक्रम विश्वविद्यालय में चलाए जा रहे हैं। व्यक्तित्व विकास शिविर इसी उपक्रम का अहम हिस्सा है। उन्होंने आग्रह किया कि विद्यार्थी अपने समय का सार्थक उपयोग कर विवि में उपलब्ध संसाधनों का भरपूर फायदा उठाएं। अपने आचार, विचार और व्यवहार की शैली से अपना व्यक्तित्व निखारकर सकारात्मक विचार को जीवन में उतारे।

प्रतिकुलपति प्रो. चित्तरंजन मिश्र ने कहा कि समाज में सामाजिक संस्थाएं कमजोर पड़ने की वजह से औपचारिक बातों को भी सीखाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि समाज, भविष्य और परिवेश में अपने को स्थापित कर जीने के लिए बेहतर व्यक्ति बनाने के लिए कार्य करना चाहिए। व्यक्तित्व विकास जीवन में आगे बढ़ने के लिए ऊर्जा का काम करता है।

प्रो. प्रफुल्ल काले का कहना था कि एमगिरी में रोज़गार सृजन के अनेक अवसर उपलब्ध किए जा रहे हैं। व्यक्तित्व विकास के लिए विद्यार्थियों को चाहिए कि वे अपनी पसंद का क्षेत्र चुनकर उसमें आगे बढ़े।

कार्यक्रम का संचालन युवा विकास केंद्र के समन्वयक अरूण प्रताप सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. शोभा पालीवाल ने किया। डॉ. पालीवाल ने कहा कि शिविर के दौरान विद्यार्थियों को विभिन्न क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा व्यक्तित्व विकास पर मार्गदर्शन किया जाएगा। शिविर में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने पंजीकरण कर अपनी उत्साहपूर्ण भागीदारी की। इस अवसर पर कुलानुशासक प्रो. सूरज पालीवाल, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. अनिल कुमार राय, बी.एस. मिरगे, डॉ. मुन्नालाल गुप्ता आदि उपस्थित थे।